भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 243
दिनांक 08 **दिसंबर**, 2022

जैव ईंधन का उत्पादन

†243. **श्री मद्दीला गुरूमूर्ति**:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में जैव ईंधन के उत्पादन का जैव ईंधन/राज्य/उत्पादन-वार वर्तमान स्तर क्या है;

(ख) सम्मिश्रण करने पर देश के कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के आयात बिल में कितनी कमी हुई है;

(ग) क्या सरकार ने दूसरी पीढ़ी के जैव ईंधन के अनुसंधान और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(**श्री रामेश्वर तेली**)

(क): सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंम नियों (ओएमसीज) ने एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2021-22 (ईएसवाई: 1 दिसंबर से 30 नवंबर) के दौरान पेट्रोल में मिश्रण के लिए दिनांक 15 नवंबर, 2022 तक 385.92 करोड़ लीटर एथेनॉल और वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान डीजल में मिश्रण के लिए 5.83 करोड़ लीटर जैव-डीजल की अधिप्राप्ति की है। तेल और गैस विपणन कंमनियों (ओजीएमसीज) ने संपीड़ित जैव गैस (सीबीजी) की अधिप्राप्ति के लिए दिनांक 31 अक्तूबर, 2022 तक भावी उद्यमियों को 3694 आशय पत्र (एलओआईज) जारी किए हैं।

(ख): अनुमान है कि पेट्रोल में एथेनॉल के मिश्रण से ईएसवाई 2021-22 के दौरान दिनांक 15 नवंबर, 2022 तक कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के आयात बिल पर 20,000 करोड़ रुपए से अधिक का प्रभाव पड़ा है।

(ग) और (घ): सरकार ने वित्तीय मदद उपलब्ध करवा कर देश में पेट्रो रसायन रूट सहित सेल्यूलॉसिक और लिग्नो-सेल्यूलॉसिक सामग्रियों से दूसरी पीढ़ी (2जी) एथेनॉल के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रधान मंत्री जी-वन (जैव ईंधन -वातावरण अनुकूल फसल अवशेष निवारण) योजना को अधिसूचित किया है। सार्वजनिक क्षेत्र के केंद्रीय तेल उद्यम (सीपीएसईज) देश में दूसरी पीढ़ी (2जी) एथेनॉल जैव रिफाइनरियों की स्थापना कर रहे हैं। पानीपत (हरियाणा) में 2जी एथेनॉल संयंत्र स्थापित किया गया है और माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा दिनांक 10.8.2022 को राष्ट्र को समर्पित किया गया है। बठिंडा (पंजाब), बारगढ़ (ओडिशा), नुमालीगढ़ (असम) में ये संयंत्र निर्माण के अंतिम चरणों में हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के तेल और गैस उद्यमों के अनुसंधान और विकास केंद्रों ने अनुसंधान कार्य शुरू किया है और विभिन्न स्थलों अर्थात इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लि. द्वारा पानीपत (हरियाणा), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि. द्वारा बैंगलुरू (कर्नाटक) और भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि. द्वारा नोएडा (उत्तर प्रदेश) में उन्नत जैव ईंधनों से संबंधित प्रदर्शन परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने अनुसंधान तथा दूसरी पीढ़ी के जैव ईंधनों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए जैव ऊर्जा क्षमता निर्माण में 5 उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना की है।

****